प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाने में यूपी 11वें स्थान पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊः कोरोना महामारी के संक्रमण काल में दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई, वहीं उत्तर प्रदेश में निवेश के द्वार और चौड़े होते गए। योगी सरकार की औद्योगिक नीति में शामिल की गई सहूलियतों और ईज आफ डूइंग बिजनेस के मामले में हुए सुधार ने देश ही नहीं, बल्कि विदेशी उद्यमियों को भी आकर्षित किया। उसी का नतीजा है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में यूपी आज देश में 11वें स्थान पर है।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के मुताबिक राज्य में विदेशी कंपनियों ने पिछले वर्ष की दूसरी छमाही में 5211.98 करोड़ रुपये (712.35 मिलियन यूएस डालर) से बढ़ कर दिसंबर, 2021 में 5758.17 (785.55 मिलियन यूएस डालर) करोड़ रुपये का हो गया। प्रदेश में विदेशी कंपनियों की 40 परियोजनाओं पर वर्तमान में काम चल रहा है। इन कंपनियों को उद्योग लगाने के लिए जमीन मिल चुकी है। इसमें 20,559 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश होना है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से इसमें और वृद्धि होने की उम्मीद है। औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों का दावा है कि सरकार द्वारा राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों के चलते ही यूपी देश तथा विदेश के निवेशकों के लिए चहेता राज्य बन गया है। इसकी मुख्य वजह निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए हर स्तर पर रही तेजी है। कोरोना संकट के दौरान प्रदेश में मार्च, 2020 से मई, 2021 तक देशी-विदेशी निवेशकों के 66 हजार करोड़ रुपये के 96 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इन 96 में से 40 प्रस्ताव विदेशी निवेशकों के थे। इनमें 22 निवेश प्रस्ताव 100 करोड़ रुपये से अधिक के थे। कुल 20,559 करोड़ रुपये का निवेश इनमें होना है। चीन से आई जूता बनाने वाली कंपनी ने तो आगरा में उत्पादन भी शुरू कर दिया है। यह कंपनी आगरा में 300 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। इसी तरह जापान की सात, कनाडा की दो, जर्मनी की चार, हांगकांग की एक, सिंगापुर की दो, यूके की तीन, यूएस की पांच और कोरिया की चार कंपनियां निवेश कर रही हैं। इनमें माइक्रोसाफ्ट और आइका जैसी विश्वविख्यात कंपनिया भी शामिल हैं **विदेशी कंपनियों के निवेश के मामले में यूपी अभी पंजाब,** केरल, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे कई राज्यों से आगे है।

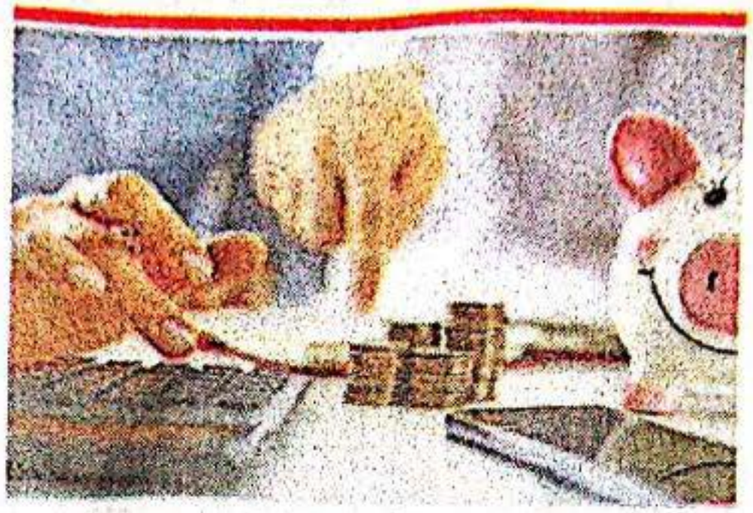

- विश्व की 40 विदेशी कंपनियां कर रहीं 20,559 करोड़ रुपये का निवेश
- ईज आफ डूइंग बिजनेस के मामले में सुधार के साथ बना निवेश का माहौल